अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

कक्षा - ग्यारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना
विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : ग्यारहवीं — अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	**प्रश्न उपभाग**	**उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु**	**निर्धारित अंक विभाजन**
1			1x5=5
	I Ii Iii Iv V	ख) अनेकता में एकता को । क) संस्कृति को ग) एकता ग) विकल्प क और ख दोनों ख) स्थिरता	1 1 1 1 1
2			1x5=5
	I Ii Iii Iv V	ख) वाणी विहीन पंडित ग)अपनी भाषा ख) अंग्रेजी भाषा के माध्यम से आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की बातें सीखी जा सकती हैं ख) अपनी भाषा में संप्रेषण की सुगमता अधिक होती है ख) मातृभाषा को	1 1 1 1 1
3			1x 10=10
	I Ii	(ग) सिपाही (घ) किसी को भरपेट भोजन न मिलने के दुख के कारण	1 1

	Iii Iv . v. vi. vii. viii. ix. x.	(ग) धार्मिक आडंबरों के ऊपर (क) विकलांगों के प्रति समाज की संवेदनहीनता व्यक्त करना (घ) समाज सुधारक (ग) महेश (क) औपानिवेशिक साम्राज्यवाद (ग) पत्र (घ) खाना बनाने का बर्तन (ख) आबिद	1 1 1 1 1 1 1 1
4			1x5=5
	i. ii. iii iv. v.	पाठ- भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है, लेखक -भारतेंदु हरिश्चंद्र जो देश काल के अनुसार शोध और बदले जा सकते हैं। जो समय एवं स्थान के अनुकूल व उपकारी हों। विधवा-विवाह पर बल और बाल -विवाह पर रोक । विभिन्न कुरीतियों ने जन्म लिया।	1 1 1 1 1
5		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		क) यह खिलौने के रूप में, रोटियाँ सेकने के लिए तथा हाथ में मजीरे के समान प्रयोग में लाया जा सकता है। **ख)** चमेली का दया भाव दिखाकर अपने पास रखना,लेकिन गूँगा अधिकार चाहता है। चमेली का बसंता का पक्ष लेना व गूँगे की अधिकार भावना आहत करना । चमेली के पक्षपातपूर्ण व्यवहार गूँगे की आँखों में स्पष्ट दिखना। **ग)** सिद्धेश्वरी अचानक मुंशी जी से बारिश के विषय में, कभी फूफा जी के विषय में, कभी गंगाशरण बाबू की लड़की के विषय में बात करना ,मुंशी जी के पास उसके प्रश्नों का उत्तर न होना ,घर की आर्थिक स्थिति खराब होना लेकिन बात करने से कतराना।	2 2 2
6			1x10=10
	i. ii. iii. iv. v. vi. vii. viii. ix. x.	(घ) निर्गुण काव्यधारा (क) सहज भाव (ख) वे स्वयं खेलना चाहते थे (ख) आकाश (क) पतनशील और सामंती व्यवस्था पर (घ) कम तौलना (ग) स्वाधीनता आंदोलन (क)आकाश से (घ) उपरोक्त सभी (ख) गरीबी	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
7			6x1=6
		प्रसंग व्याख्या	1 3 2

		काव्य -सौन्दर्य	
8		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		(क) कृष्ण ने नंद बाबी की दुहाई देकर यह निश्चित किया कि वह अपनी बारी देंगे और सबको हारकर ही रहेंगे। **(ख)** दुख, गरीबी और उत्पीड़न को झेलना , नाते-रिश्तेदारों को साफ़-सुथरा घर न दे पाना,वह शहर में रहने वाले बनियों के समान न उठा पाना, उन्नति के मार्ग खोजना आदि। **(ग)** घर में घोर कारण रिश्तों में खिंचाव व तनाव है। जिसके कारण सब एक-दूसरे के सामने जाने से कतराते हैं।	2 2 2
9		**अंतराल भाग -2 के आधार किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x3=6
		(क) पूरा ध्यान ड्राइंग और पेंटिंग पर,रोज़ाना 20 रेखाचित्र,दुकान पर बैठने वालों के स्केच बनाता,पहली ऑयल पेंटिंग दुकान पर बनाना, सिंघगढ़ फ़िल्म से प्रभावित होकर किताबें बेचकर ऑयल पेंटिंग बनाना। **(ख)** पहले यह एक वर्ग तक सीमित था।अब लोग कला की कद्र अधिक करते हैं। ऐसा नहीं है कि पहले लोग कला की कद्र नहीं करते थे। **(ग)** शरद के नाना के घर तालाब में नहाना, पशु तथा पक्षियों को पालना, बाहर जाकर खेलना, उपवन लगाना, घूमना, पतंग, लट्टू, गिल्ली-डंडा तथा गोली इत्यादि खेल खेलना तक निषिद्ध था। शरत्चन्द्र को बन्धन बिलकुल भी पसंद नहीं था,स्वतंत्र विचारों के थे, उन सभी कार्यों को करना जिन पड़ नाना ने रोक लगा रखी थी। **(घ)** उनके पात्र देवदास, श्रीकांत, दर्दांतराम और सव्यसाची शरत के जीवन की झलक देते हैं। बड़ी बहू', 'काशीनाथ', मित्र धीरू, 'शुभदा' आदि	2 2 2 2
10	क		1x4=4
		i. अपने संदेश को किसी भाषा में परिवर्तित करना **ii.** पत्रकारिता,प्रेस और समाचार **iii.** पर्दे पर दिखायी जानी वाली कथा **iv.**पूर्व में लिखे गए सरकारी पत्र को स्मरण कराने हेतु लिखा गया पत्र।	1 1 1 1
	ख		3x 2=6
		i.संचारक,संदेश,माध्यम,प्राप्तकर्ता,प्रतिपुष्टि व शोर **ii.** विश्वकोश-ज्ञान शाखाओं से सम्बन्धित समस्त गहन जानकारियों को क्रमबद्ध रूप से व्यवस्था,विद्वानों द्वारा रचित एवं संपादित लेख जो संक्षिप्त, सारगर्भित, पूर्ण, प्रमाणिक एवं विश्वसनीय होते हैं।	3 3
	ग	कथा, संरचना या ढाँचा, प्रत्येक दृश्य के साथ होने वाली घटना के समय का संकेत ,पात्रों की गतिविधियों के संकेत ,दृश्य का बँटवारा,प्रत्येक दृश्य के साथ उस दृश्य के घटनास्थल का	5x1=5

		उललेख,पात्रों के संवाद बोलने के ढंग के निर्देश ,प्रत्येक दृश्य के अंत में डिज़ॉल्व, फ़ेड आउट, कटटू जैसी जानकारी **अथवा** स्ववृत्त में अपना पूरा परिचय, पता, सम्पर्क सूत्र - (टेलीफोन, मोबाइल, ई-मेल आदि), शैक्षणिक व व्यावसायिक योग्यताओं के सिलसिलेवार विवरण के साथ-साथ अन्य संबंधित योग्यताओं,विशेष उपलब्धियों, कार्येत्तर गतिविधियों व अभिरुचियों का उल्लेख।	
11			2x 5=10
		क) अहिल्याबाई होल्कर ने प्रजा को कष्ट देने वाले असामाजिक तत्वों को पकड़कर समझाने का प्रयास किया तथा उन्हें जीवन यापन हेतु जमीन देकर सुधार का रास्ता दिखाया।यदि कोई राज्य का कर्मचारी अवैध रूप से प्रजा से वसूली करता पाया जाता है तो उसे तुरंत दंड देकर अधिकार विहीन कर दिया जाता था। प्रजा की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रास्ते पुल घाट व धर्मशाला में बावड़ी व तालाब बनवाए।निर्धन तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए अन्नदान क्षेत्र खोले गए। ख) डॉक्टर सी वी रमन की विज्ञान में रुचि होने के कारण वे पत्रिकाओं के लिए विज्ञान संबंधी शोध लेख लिखने लगे।मात्र 19 वर्ष की आयु में इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस के सदस्य बन गए। उन्हें कोलकाता के वित्त मंत्रालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर आसीन किया गया। ग) जैन धर्म के पांच महाव्रत 1.अहिंसा का पालन 2.चोरी ना करना . 3.झूठ न बोलना 4. धन संग्रह न करना 5.ब्रह्मचर्य का पालन करना। घ) सावरकर जी ने पतित पावन मंदिर की स्थापना की और उसका उद्घाटन शंकराचार्य द्वारा कराया। वे एक ऐसा मंदिर बनाना चाहते थे जिसमें सभी भेदभाव को भुलाकर लोग एक जगह बैठ कर भोजन कर सके ङ) विश्व एक परिवार है और हम एक ही ईश्वर की संतान हैं।यह भारतीय संस्कृति की विरासत वसुधैव कुटुंबकम की भावना का परिचायक है यदि हम मानवीय मूल्यों को मनसा, वाचा, कर्मणा यदि व्यवहार में लाने का प्रयास करें तो विश्व एक परिवार बन जाएगा।	2 2 2 2 2